International Journal of Advances in Engineering and Management (IJAEM)
Volume 2, Issue 1, pp: 618-619 www.ijaem.net ISSN: 2395-5252

स्वास्थ्य बाल विकास, महिला सशक्तीकरण एवं मीडिया

शोध छात्रा

श्वेता तिवारी (शिक्षा शास्त्र)

Date of Submission: 19-06-2020 Date of Acceptance: 05-07-2020

'**सोशल**'- जिसका अर्थ है **'सामाजिक'** और मीडिया का अर्थ है संचार का माध्यम। कहा जा सकता है कि किसी व्यक्ति या समाज को परस्पर जोड़ने वाली एक ऐसी संरचना व साधन जिससे सूचनाओं और विचारोंका आदान-प्रदान होता है वह सोशल मीडिया कहलाता है। पहले समाज में रहने वाले हर व्यक्ति का दूसरे वन्यक्ति से संवाद, जानकारियाँ डुग्गी बजवाकर लोगों को दी जाती ती तो कभी कबूतर दज्वारा संदेश पहुँचाया जाता था तो कभी दूतों द्वारा। जैसे-जैसे आगे बढ़ते गये सूचनाओं का माध्यम डाक , अखबार और टेलीफोन ने ले लिया फिर एक नयी क्रान्ति इन्टरनेट की आयी जिससे पूरे दुनिया को एक नया संदेशवाहक मिला। पहले कोई बी बात दूसरों तक पहुँचाने में समय लगता था किन्तु अब पल भर में ही बातचीत हो जाती है। परिवार से लेकर राष्ट्र तक के हर स्तर पर मीडिया का कार्य होता है। किसी भी प्रकार की समस्याओं का निवारण करनाने में त्वरित सक्षम होताहै। सोशल मीडिया ने जागरूकता और सक्रियता को नये आयाम भी दिये और सामाजिक एकजुटता को भी बढ़ाया है। रोजगार की संभावनाएँ भी बढ़ी हैं। फेसबुक और ट्वीटर जैसी सोशल नेटवर्किंग साइट्स लोगों को आपस में संवाद बनाने का अच्छा माध्यम है। इन साइट्स की लोकप्रियता बहुत तेजी से बढ़ गयी है , जिसका अनुमान कुछ प्रमुख साइट्स की सदस्य संख्याका जायजा लेकर लगाया जा सकता है। मीडिया का जहाँ तक एक तरफ लाभ हैं वहीं हानि भी है। इसके माध्यम से जब लोग बिचार रखते हैं तो संयम भी खो देते हैं , यह उचित नहीं है कि सोशल मीडिया का लाभ उठाकर कुछ भी टिप्पणी कर दी जाए या इसकी आड़ में अश्लीलता और अभद्रता को बढ़ावा दिया जाए। ऐसी बातों से माहौल बिगड़ता है। इससे विश्वसनीयता का भी संकट बढ़ा है। यही वजह है कि सोशल मीडिया विवादस्पद भी हो रहा है सोशल मीडिया के माध्यम से बढ़ती ऐसी प्रवृत्तियों पर अंकुश जरूरी है।मीडिया के माध्यम से अच्छे स्वास्थ्य की जानकारी भी प्राप्त होती है क्योंकि शरीर स्वस्थ है तभी मानसिक और सामाजिक रूप से भी स्वस्थ्य रहेंगे महात्मा गाँधी ने कहा भी है कि- स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है।

स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन कहा गया है क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य जीवन के समस्त सूत्रों का आधार है जिनका स्वास्थ्य अच्छा होता है वो कोई भी कार्य चिंतामुक्त होकर करते हैं। मन में उत्साह और उमंग होता है। स्वास्थ्य बाल विकास संबंधित समस्याएँ और समाधान के बारे में लोगों तक सूचनाएँ पहुँचाने में मीडिया का काफी योगदान होता है। भारत की प्राथमिकता स्वास्थ्य व्वस्था पूर्णतः प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा उससे सम्बद्ध अन्य उपकेन्द्रों पर निर्भर करती है, ऐसे प्रत्येक केन्द्रों पर कम से कम ३-४ गाँव आश्रित होते हैं। कितने गाँव ऐसे हैं जहाँ स्वास्थ्यसुविधाएं नहीं पहुँचय पा रही हैं फलस्वरूप जीव रक्षाके लिए संघर्ष कर रहे हैं। जन स्वास्थ्य सुरक्षा को सरकार को अपने प्राथमिक दायित्व के रूप में मान्यता देनी चाहिए। जन स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ और बेहतर बनाने में उनको सुचनाएँ प्रदान करवाने में मीडिया प्रयासरत् रहता है।

सोशल मीडिया का स्वार्थ्य बाल विकास पर प्रभाव का दुष्परिणाम भी होता है , जैसे-आजकल अधिकतर बच्चे , बड़े सभी

नेट का प्रयोग करते हैं जिसका असर उनकेमानसिक स्तरपर भी अच्छा प्रभाव भी पड़ता है और खराब प्रभाव भी पड़ता है। अनेक ऐसी साइट्स व्हाट्सएप आदि हैं जिनके द्वारा दोस्तों , अनजाने लोगोंऔर कई अच्छी-खराब जानकारीसे जुड़े रहते हैं। जिसका सीधा असर उनके स्वास्थ्य , मानसिक और सामाजिक स्तर पर पड़ता है। कई प्रकार की बीमारियों से ग्रसित भी हो जाते हैं। समाज में कई प्रकार की समस्याओं का सामना भी करना पड़ता है।

सोशल मीडिया जहाँ लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती प्रदान करता है वही संवेदनशीलऔर जिंदगी से जुड़े अगम मुद्दोंपर भी विचार व्यक्त कर मार्ग प्रशस्त करता है। भारत जैसे विकाशशील देशों में महिलाओं के व्यापक सशक्तीकरणके लिए सोशल मीडिया सर्वोत्तम साधन सिद्ध हो सकता है , किसी भी समाजका स्वरूप वहाँकी महिलाओं की स्थिति दशा पर निर्भर करती है। महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशामें भावनात्मक की अहम भूमिका है , साधारणतया माना जाता है कि महिलाएँ भावनात्मक रूप से कमजोर होती हैं और पुरूष मजबूत। भावनात्मकरूप से मजबूत महिलाएँ जिंदगी की हर चुनौती का सामना आसानी से कर सकती हैं, हर महिला में क्षमता, हिम्मत और आत्मविश्वासहोता है, जरूरत है तो सकारात्मक सोच की। एक सशक्त महिला अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की भरपूर कोशिशकरती है। महिलाएँ जब अपने सशक्तीकरण के लिए सोशल मीडियाप्रयोग करती है तो अनेक चुनौतियाँ का सामना भी करना पड़ा है। दुनियाभर से जानकारी प्राप्त करनेके लिए यह प्रथम आवश्यकता है कि सरकार को महिलाओँ के लिए ऐसा अनुकूल वातावरण उपलब्ध करनाना चाहिए जिससे वे अपने समग्र विकास के लिए सोशल मीडिया का बेहतर प्रयोग कर सकें। किसी भी उद्देश्य को प्राप्त करने में महिलाओं को यह समझना होगा कि उनके आर्थिक विकासमेंसोशल मीडिया एक उपयोगीसाधनहै। इसका विकास रचनात्मक प्रकार से समाधार तैयारकरना चाहिए जो महिलाओं के काम आसके। अनौपचारिक क्षेत्र की महिलाओं के लिए यह आवश्यक है कि उन्हें ऐसी प्रौद्योगिकी चुनने की स्वतंत्रता की जाए जिसे वे आसानी से इस्तेमाल कर सकें। महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों का प्रतिशत भी बढ़ता जा रहा है इसलिए प्रत्येक महिला की मीडिया द्वारा कानूनी अधिकारों के बारे में जानकारी हासिल होना चाहिए तभी सशक्त हो अन्यायके खिलाफ खड़ी हो सकेंगी। महिलाओं में सोशल मीडिया द्वारा इतनी जागरूकता लायी जाए कि वह मनः शक्ति को प्राप्त कर वह अपने हितों के लिए आवाज उठाएँ और सामाजिक, आर्थिक संसाधनों पर नियंत्रण प्राप्त करने की क्षमता को प्राप्त कर सकें। जिसके द्वारा घर एवं समाज के किसी भी निर्णय में उनकी भी भागीदारी हो , जो एक सामंजस्यपूर्ण भागीदारी का हिस्सा बन सकें।

अतः ग्रामीण महिलाओं के लिए सोशल मीडियाकोऔर सार्थक एवं उद्देश्य पूर्ण बनाने के लिए संबंधित सूचना और साधन स्थानीय भाषा में उपलब्धकराए जाने की आवश्यकताहै ताकि महिलाओं की आवश्यकता और अपेक्षाएँ पूरी हो सकें। एक नेटवर्क जितना अधिक सोशल मानीसामाजिक होगा , मित्रों, समर्थकों और संपर्कों का समूह भी उतना ही व्यापक होगा।

संदर्भ ग्रंन्थ सूची

- www.google.com
- कुरूक्षेत्र
- योजना, सितंबर २०१३
- Wcd.nic.in
- www.mpwcd.nic.in
- http://en.m.wikipedia.org
- www.wikinvest.com

International Journal of Advances in Engineering and Management
ISSN: 2395-5252

IJAEM

Volume: 02 Issue: 01 DOI: 10.35629/5252

www.ijaem.net
Email id: ijaem.paper@gmail.com